>

Title: Need to constitute and set up Peppermint Board of India in Sultanpur, Uttar Pradesh.

डॉ. संजय सिंह (सुल्तानपुर): पूरे उत्तर प्रदेश में पिपर मिन्ट की 90 प्रतिशत खेती होती है। यह एक कमर्शियल फसल है, जिसकी फसल आने के बाद तुंत बिक जाती है, परंतु फसल जिस भाव से किसानों से व्यापारियों द्वारा खरीदी जा रही है उससे कहीं ज्यादा व्यापारियों द्वारा उत्पादकों को बेची जा रही है। अगर किसानों एवं उत्पादकों का सीधा संबंध हो जाए तो किसानों को इसकी अच्छी कीमत मिलेगी और उत्पादकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पिपर मिन्ट की आपूर्ति हो सकेगी। किसानों को इस खेती को वैज्ञानिक ढंग से करने एवं उनके द्वारा उत्पादित माल को उत्पादकों तक पहुंचाने के कार्य को आसान करना चाहिए। पूर्वांचल में इसकी खेती सबसे ज्यादा है किंतु उनको इसकी समुचित कीमत मिल सके इसके लिए कोई प्रयास नहीं हुए हैं। पिपर मिन्ट से आयुर्वेद में काफी इलाज होते हैं एवं विदेशों में काफी मांग है। आवश्यकता इस बात की है कि इस फसल को बढ़ावा मिले, उत्पादन को बढ़ाने एवं उनके लिए समुचित बाजार उपलब्ध करवाने हेतु पिपर मिन्ट बोर्ड ऑफ इंडिया का गठन कर इसे मेरे संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर में किया जाए क्योंकि यहां के लोग पिपर मिन्ट के उत्पादन में लगे हुए हैं एवं पिपर मिन्ट का काफी उत्पादन कर रहे हैं।

सरकार से अनुरोध है कि पिपर मिन्ट बोर्ड ऑफ इंडिया का गठन कर इसे उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में स्थापित किया जाए।